प्रश्नपत्र (सैद्धांतिक)

भाग अ–परिचय			
कार्यक्रम: डिग्री	कक्षा **:**बीए	वर्ष:तृतीय	सत्र:2023-24
विषय: हिन्दी साहित्य			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A3-HLIT2T**	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार **:**(कोर कोर्स**/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव** /इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.माइनर ....)	**माइनर** /elective (**सैद्धांतिक)**	
4	पूर्वापेक्षा **(**Prerequisite**)**	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने हिन्दी साहित्य विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो ।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां **(**कोर्स लर्निंग आउटकम**)(CLO)**	• विद्यार्थी लोक जीवन शैली से भिज्ञ होंगे • लोक साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोध कार्य करने में समर्थ होगे। • लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर, रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। • लोक गीत, संगीत, नाट्य अभिनय आदि में रुचि रखने वाले विद्यार्थी संगीत नाट्य एवं फिल्म आदि क्षेत्रों में नया प्रयोग करते हुए देश-विदेश में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे ।	
6	क्रेडिट मान	**06**	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

7.11.22
डॉ. पूर्णा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल
बी.ए. तृतीय, हिन्दी साहित्य

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में L-3): L-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या (1घंटा/ व्याख्यान) 90
1	**लोक-साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारणा:** • लोक, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति की अवधारण • लोक वार्ता और लोक संस्कृति, • लोक संस्कृति और साहित्य का अंतस्संबन्ध	**18**
2	**लोक साहित्य के प्रमुख रूप एवं संकलन** • लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरणलोकगीत -, लोकनाट्य लोक कथा एवं लोक गाथा, • लोक-साहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएं	**18**
3	**लोकगीत एवं लोकनाट्यस्वरूप : प्रकार एवं विशेषताएँ-** • लोकगीत – अर्थ , परिभाषा एवं प्रकार (संस्कार गीत , वृत गीत , पर्व गीत ,श्रम गीत एवं ऋतु गीत आदि) • लोकनाट्य– अवधारणा एवं प्रकार (रामलीला,रासलीला,कीर्तनिया,स्वाँग,यक्षगान,भवाई,नौटंकी ,माच,तमाशा,विदेसिया जात्रा आदि का संक्षिप्त परिचय	**18**
4	**लोककथा एवं लोक गाथास्वरूप :प्रकार एवं विशेषताएं-** • लोककथा अर्थ -, परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार, व्रतकथा, परिकथा, नागकथा, बोधकथा आदि। • कथानक रूढ़ियाँअभिप्राय/ • लोकगाथा, गोपीचन्दभर्थरी, नलदमयन्तीÂ आदि । लोककथाओं एवं गाथाओं का सामाजिक जीवन पर प्रभाव	**18**
5	**लोक संगीत , लोक नृत्य एवं अन्य विधाएँ -** • लोक संगीत, लोक वाद्य एवं विशिष्ट लोक ध्वनि से आशय, स्वरूप	**18**

07.11.22
डा पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन समिति
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

	• लोक नृत्य के विविध रूप • मुहावरे -, कहावतें, पहेलियाँ • मेले एवं हाट • संबंधित क्षेत्र के लोक साहित्य एवं संस्कृति का अध्ययन • संबंधित क्षेत्र की लोक कलाओं लोक चित्र एवं -शिल्प का अध्ययन	
व्यावहारिक ज्ञान	स्थानीय क्षेत्र के लोक गीत :लोक साहित्य, लोक कलाओं का संकलन, अनुवाद एवं प्रस्तुतिकरण। लोक कलाकारों से भेट वार्ता प्रस्तुति।	
की वर्ड	लोक , लोकसाहित्य, वार्ता लोक गाथा।	

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- उपाध्याय,कृष्णदेव "लोक साहित्य की भूमिका" साहित्य भवन प्रा.लि.इलाहाबाद
- उपाध्याय,कृष्णदेव "लोक संस्कृति की रूपरेखा" लोक भर्ती प्रकाशन नई दिल्ली
- तिवारी,डॉ कपिल "कथा वार्ता"(हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "निमाड़ी मुहावरे"हिन्दी) आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "संत सिंगाजी" आदिवासी लोक कला एवं बोली विकास अकादेमी, भोपाल
- निर्गुणे, वसंत "मध्य प्रदेश की लोक कथाएँ" प्रभात प्रकाशन प्रा.लि
- दिनकर, रामधारी सिंह "संस्कृति के चार अध्याय" साहित्य अकादेमी नई दिल्ली 1956
- माथुर, जगदीश चन्द्र "परम्पराशील नाट्य" राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली
- गुप्ता, डॉ सरोज, सुहाने,डॉ संगीता "लोक साहित्य और वैश्वीकरण" अनुभूति पब्लिशर इलाहाबाद
- शर्मा,डॉ शैलेंद्र "मालवा का लोक नाट्य माच एवं अन्य विधाएँ" अंकुर मंच उज्जैन
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादेमी भोपाल से प्रकाशित पुस्तकें

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

www.eshiksha.mo.gov.in

https://rgu.ac.in/wp-content/uploads/2021/02/Download_600.pdf

https://loksahitya.weebly.com/uploads/9/7/2/1/972179/loksahitya.pdf

7.11.2022

डॉ पुष्पा दुबे
अध्यक्ष, केन्द्रीय अध्ययन मंडल
एम.ए- तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य

https://www.csirs.org.in/uploads/paper_pdf/lok-sanskriti-ke-aaine-mein-lok-sahitya.pdf

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट **असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)**	30
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा**: समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब): लघु प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी/सुझाव:

7.11.2022
डा. [illegible]
अध्यक्ष केन्द्रीय अध्ययन मण्डल
बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी साहित्य